

भेरूजी धीरे धीरे खेलो घुंघरू टूट जावेला भजन लिरिक्स



भेरूजी धीरे धीरे खेलो,
घुंघरू टूट जावेला।bd।

साजा ऊपर चढ़ता भेरू,
कीनी है ललकार,
ओ भेरूजी धीरे धीरे बोलो,
साजो टूट जावेला,
भेरूजी धीरे धीरे खेलों,
घुंघरू टूट जावेला।bd।

साखलिया ने लिदी हात में,
गुगरिया गमकाया,
ओ भेरू धीरे धीरे खेलो,
साखल टूट जावेली,
भेरूजी धीरे धीरे खेलों,
घुंघरू टूट जावेला।bd।

एक हाथ में भालो लिदो,
दूजे हात में खाकल,
ओ भेरू धीरे धीरे खेलो,
खाकल टूट जावेला,
भेरूजी धीरे धीरे खेलों,
घुंघरू टूट जावेला।bd।

गणा आकरा खेले भेरू,
कूदे नो नो ताल,
भेरू धीरे धीरे खेलो,
हार टूट जावेलो,
भेरूजी धीरे धीरे खेलों,
घुंघरू टूट जावेला।bd।



काचा का चावल,
भेरू धीरे धीरे खेलो,
चावल टुल जावेला,
भेरूजी धीरे धीरे खेलों,
घुंघरू टूट जावेला।bd।

एक हाथ में गुरजा लिली,
एक हाथ में भालो,
भेरू धीरे धीरे खेलो,
गुरजा टूट जावेला,
भेरूजी धीरे धीरे खेलों,
घुंघरू टूट जावेला।bd।

दे दे गुमर खेले भेरू,
नाचे है मतवालों,
भेरू धीरे धीरे खेलो,
गुमर टूट जावेली,
भेरूजी धीरे धीरे खेलों,
घुंघरू टूट जावेला।bd।

भेरूजी धीरे धीरे खेलो,
घुंघरू टूट जावेला।bd।

गायक – जगदीश जी वैष्णव ।
प्रेषक – मगन लाल प्रजापति मोलेला ।
7229814054
